उद्योगों के अनुरूप कौशल केंद्र बनेंगे आईटीआई

लखनऊ। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के तहत उत्तर प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उद्योग आधारित कौशल विकास केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें उद्योगों की मांग के अनुरूप पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण देकर युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने पर जोर होगा।

पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और आगरा के राजकीय आईटीआई क्लस्टरों में उद्योगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उद्देश्य आईटीआई के प्रशिक्षण और उद्योगों की मौजूदा व भविष्य की कौशल जरूरतों के बीच अंतर कम करना है। उद्योग सिर्फ रोजगार देने वाले इकाई ही नहीं बल्कि प्रशिक्षण के सक्रिय भागीदार होंगे। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि पाठ्यक्रम व प्रशिक्षण मानकों को अपडेट करने, आधुनिक तकनीक व उपकरण शामिल करने, प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में भी उद्योगों की भूमिका होगी। ब्यूरो

उद्योग होंगे पार्टनर, देंगे प्रशिक्षण : पीएम-सेतु मॉडल में हर क्लस्टर के लिए एंकर इंडस्ट्री पार्टनर की व्यवस्था है। ये राज्य सरकार के साथ पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण मानक और व्यवस्था को आधुनिक बनाने में भूमिका निभाएंगे। मशीनों व उपकरणों की उपलब्धता, प्रशिक्षकों की ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स, एप्रेंटिसशिप, प्लेसमेंट लिंकेज और क्षमता निर्माण में भागीदारी होगी।

अप्रेंटिसशिप व ऑन द जॉब ट्रेनिंग पर जोर : योजना में प्रशिक्षण को कक्षा और प्रमाणपत्र तक सीमित न रखकर रोजगार से जोड़ा जाएगा। उद्योगों की भागीदारी से छात्रों को अप्रेंटिसशिप और ऑन द जॉब ट्रेनिंग के अवसर मिलेंगे। उद्योग क्षेत्रीय जरूरत पहचानने से युवाओं को रोजगार देने तक शामिल होंगे।